ग्रिड से घर तक : विद्युत क्षेत्र के लोकतांत्रिकरण के लिए अनूठी पहल

चमकता राजस्थान

बाप (कविकांत खत्री)। जयपुर विद्युत क्षेत्र से विकास व जन भागीदारी की महत्व पर एक चर्चा बास्क रिसर्च ने राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग (आरईआरसी) के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यशालाओं की श्रृंखला ग्रिड से घर तक की शुरुआत की। श्रृंखला के अंतर्गत प्रथम कार्यशाला राज्य विद्युत क्षेत्र और आप में राजस्थान के सामाजिक नागरिक संगठनों और स्वतंत्र कार्यकर्ताओं को बिजली प्रशासन और उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक किया। कार्यशाला में राज्य में विद्युत योजना निर्माण, विनियमन, अभिशासन (गवर्नेंस) एवं आवश्यक सेवाओं के रूप में बिजली जैसे विषयों पर चर्चा हुई, जिसमें राज्य भर से 63 नागरिक संगठनों, स्वतंत्र कार्यकर्ताओं एवं

बिजली कर्मियों ने भाग लिया। बास्क रिसर्च के संस्थापक सिमरन ग्रोवर ने स्वच्छ ऊर्जा और योजना निर्माण के विषय में बोला कि भविष्य में स्वच्छ बिजली की निरंतर आवक के लिए पूरा देश राजस्थान की ओर देख रहा है, आज प्रदेश में 16 गीगावाट से ज्यादा का बिजली उत्पादन सौर और पवन ऊर्जा के माध्यम से है जो 2030 तक 90 गीगावाट तक पहुंचने की सम्भावना है। सिमरन ग्रोवर ने इस बात पर जोर दिया की चूँकि वर्तमान में की गयी योजना के परिणाम एक दशक बाद फलीभूत होते है, यह ज़रूरी है की योजना निर्माण समुचित विवेकपूर्ण तरीके एवं सामाजिक भागीदारी से की जाये। कार्यशाला के दौरान बास्क रिसर्च के सह-संस्थापक अंशुमन गोठवाल ने राज्य विद्युत क्षेत्र के परिदृश्य और विनियामक आयोग की भूमिका को विस्तार से समझाया, जिसमें उन्होंने ग्रिड से घर तक निरंतर और सामर्थ्य बिजली की आवक के लिए बने हुए नियमों का वर्णन किया। उन्होंने कहा विद्युत आयोग क्षेत्र में जनभागीदारी एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाला एकमात्र मंच है तथा इसके द्वारा बनाये गए नियमों की पूर्ण अनुपालना के लिए जन-भागीदारी आवश्यक हैं।

ग्रिड से घर तक कार्यशाला श्रृंखला में कुल 6 कार्यशालाएं हैं। इन कार्यशालाओं का आयोजन ऑनलाइन-ऑफलाइन दोनों माध्यमों से हर दो माह में एक बार किया जा रहा हैं। आने वाली कार्यशालाओं में बिजली बिल, मीटरिंग, बिजली से सुरक्षा, टैरिफ जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।